भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 03 अगस्त, 2025
जारी करने का समय: 1400 घंटे

विषय: i) अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर और आसपास के पूर्वी भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, 03 अगस्त, 2025 को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम और मेघालय में अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।
ii) अगले 5 दिनों के दौरान तमिलनाडु, केरल में भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है, 05 अगस्त, 2025 को केरल और तमिलनाडु में अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।
iii) अगले 4-5 दिनों के दौरान मध्य और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत में हल्की वर्षा की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 03 अगस्त, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- ✓ असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- ✓ उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, बिहार, केरल, तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है; हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, गुजरात क्षेत्र, झारखंड, ओडिशा, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

  पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया अनुलग्नक I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- ✓ औसत समुद्र तल पर मानसून की द्रोणिका अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर दिशा में चलती है।
- ✓ निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पश्चिम बिहार और उससे सटे उत्तर-पूर्व उत्तर प्रदेश के ऊपर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है, जो ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है।
- ✓ निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर पंजाब के ऊपर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ✓ निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तरी तमिलनाडु तट के दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ✓ मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर दक्षिण-पूर्व अरब सागर से दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों तक लगभग 7° उत्तर अक्षांश के साथ एक पूर्व-पश्चिम द्रोणिका बनी हुई है।
- ✓ मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पूर्व अरब सागर के ऊपर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ✓ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तरी गुजरात और उससे सटे दक्षिण राजस्थान के ऊपर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ✓ एक पश्चिमी विक्षोभ जो मध्य और ऊपरी क्षोभमंडलीय स्तरों में एक गर्त के रूप में देखा जाता है, इसकी धुरी समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर है, जो मोटे तौर पर देशांतर 74°E से अक्षांश 32°N के उत्तर में है। है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पूर्व भारत:

- मेघालय में 03 अगस्त को कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 03 से 09 अगस्त के दौरान कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, गरज के साथ बिजली और कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश में 03, 04 और 06 से 09 अगस्त को; असम और मेघालय में 04 और 07 से 09 अगस्त को कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

पूर्व और मध्य भारत:

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 03 अगस्त को कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- झारखंड में 03 अगस्त को; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार में 03 से 09 अगस्त; पश्चिम मध्य प्रदेश में 03 से 05 अगस्त; पूर्व मध्य प्रदेश में 03 और 04 अगस्त; छत्तीसगढ़ में 03, 08 और 09 अगस्त; ओडिशा में 06 और 07 अगस्त; गंगा के किनारे पश्चिम बंगाल में 07 अगस्त को कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है। पूर्व मध्य प्रदेश में 03 अगस्त को; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 04 अगस्त को; बिहार में 03 और 04 अगस्त को कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 5 दिनों में इस क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा, गरज के साथ बिजली की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- पूर्वी उत्तर प्रदेश में 03 अगस्त को कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- जम्मू-कश्मीर में 04 से 06 अगस्त; हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश में 03 से 06 अगस्त; उत्तराखंड में 03 से 09 अगस्त; पंजाब में 05 और 09 अगस्त; हरियाणा में 03 से 05 अगस्त; पूर्वी राजस्थान में 08 और 09 अगस्त को कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में 04 और 05 अगस्त; उत्तराखंड में 03 से 05 अगस्त; हरियाणा में 05 अगस्त; उत्तर प्रदेश में 03 और 04 अगस्त को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों में पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कई स्थानों पर और मैदानी क्षेत्रों में कुछ/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, गरज के साथ बिजली की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- केरल और तमिलनाडु में 05 अगस्त को कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- तमिलनाडु में 03 से 07 अगस्त; केरल और माहे, तटीय और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 03 से 09 अगस्त; लक्षद्वीप में 03 से 06 अगस्त; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 06 से 08 अगस्त; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 03 और 05 से 07 अगस्त; रायलसीमा में 03 से 08 अगस्त को कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है। तमिलनाडु में 03 और 04 अगस्त; केरल और माहे में 03 से 07 अगस्त; तटीय और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 05 से 07 अगस्त; रायलसीमा में 05 अगस्त को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 5 दिनों में दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तेज सतही हवाएं (40-50 किमी/घंटा) की संभावना है।
- अगले 5 दिनों में तमिलनाडु, केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना में कुछ/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा, गरज के साथ बिजली की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- गुजरात क्षेत्र में 03 अगस्त को; मराठवाड़ा में 06 और 07 अगस्त; कोंकण और गोवा में 07 से 09 अगस्त को कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 5-6 दिनों में इस क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 03 अगस्त से 08 अगस्त 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में समुद्र में न जाएं:

अरब सागर:

- गुजरात तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में 04 से 08 अगस्त; केरल और कर्नाटक तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में 04 से 08 अगस्त; दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ हिस्सों में 03 अगस्त को, कई हिस्सों में 04 से 08 अगस्त; दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कई हिस्सों में 03 से 08 अगस्त; मध्य अरब सागर के अधिकांश हिस्सों में 03 से 08 अगस्त; उत्तरी अरब सागर के दक्षिणी हिस्सों में 03 अगस्त को; उत्तरी अरब सागर के कई हिस्सों में 04 से 08 अगस्त; सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों, दक्षिण ओमान और आसपास के यमन तट और समुद्री क्षेत्रों में 03 से 08 तक अगस्त न जाएं ।

बंगाल की खाड़ी:

- दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में 03 से 08 अगस्त; लक्षद्वीप क्षेत्र में 04 से 08 अगस्त; मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन और मालदीव क्षेत्र में 04 से 08 अगस्त तक न जाएं।

ii. 03 से 06 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **असम और मेघालय:** मावसिनराम (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 35, चेरापूंजी (आरकेएम) (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 19, मावकिरवाट (जिला दक्षिण पश्चिम खासी हिल्स) 18, गोसाईगांव एडब्ल्यूएस (जिला कोकराझार) 16, चेरापूंजी (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 13, मावफलांग (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 12, तुरा_ एडब्ल्यूएस (जिला वेस्ट गारो हिल्स) 12, खलीहरियाट (जिला ईस्ट जैंतिया हिल्स) 8, बेकी माथुंगरी (जिला बारपेटा) 8, शेला (जिला ईस्ट खासी हिल्स) 7, विलियमनगर (जिला ईस्ट गारो हिल्स) 7, नोंगस्टीन (जिला वेस्ट खासी हिल्स) 7;
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: फालाकाटा (जिला अलीपुरद्वार) 19, दोमोहनी (जिला जलपाईगुड़ी) 19, कुमारग्राम (जिला अलीपुरद्वार) 19, मयनागुड़ी कॉलेज (जिला जलपाईगुड़ी) 19, डेंगुआझार चाय बागान (जिला जलपाईगुड़ी) 18, दलगांव टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 17, जलपाईगुड़ी (जिला) जलपाईगुड़ी) 16, मेखलीगंज (जिला कूच बिहार) 16, अलीपुरद्वार (पीटीओ) (जिला अलीपुरद्वार) 15, धरला वैली टी एस्टा (जिला जलपाईगुड़ी) 15, अम्फु पुंडीबारी (जिला कूच बिहार) 15, एनएच31 ब्रिज (जिला जलपाईगुड़ी) 14, मोगुलकाटा टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 13, कैलाशपुर चाय इस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 13, आनंदपुर टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 13, माझेरदाबरी चाय बागान (जिला अलीपुरद्वार) 13, चेपन (जिला अलीपुरद्वार) 13, गाजोलडोबा (जिला जलपाईगुड़ी) 12, धूपगुड़ी (जिला जलपाईगुड़ी) 12, बरोभिषा (जिला अलीपुरद्वार) 11, आर्यमान टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 11, संकोस टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 10, नोवेरानुड्डी टी गार्डन (जिला जलपाईगुड़ी) 10, वाशाबारी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 10, लीश रिवर टी गार्डन (जिला जलपाईगुड़ी) 10, पटकापारा टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 10, भटकवा टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 10, सरस्वतीपुर टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 10, जयबीरपाड़ा टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 10, बक्साद्वार (जिला अलीपुरद्वार) 10, रैदक टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 10, ऊदलाबाड़ी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 9, दमदिम टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 9, कूच बिहार (जिला) कूचबिहार) 9, गांद्रपाड़ा चाय बागान (जिला जलपाईगुड़ी) 9, हासीमारा (जिला अलीपुरद्वार) 9, चंपासारी (जिला दार्जिलिंग) 9, सिलीगुड़ी पीटीओ (जिला दार्जिलिंग) 9, मोराघाट टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 9, सूर्यसेन महाविद्यालय (जिला दार्जिलिंग) 9, सेवोके (जिला दार्जिलिंग) 9, नामथांग (जिला) नामची) 9, बैंटगुरी टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 9, करबल्ला टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 8, गोपालपुर टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 8, माथाभांगा (जिला कूच बिहार) 8, बारादिघी टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 8, संकोश (जिला कूच बिहार) 8, मूर्ति (जिला जलपाईगुड़ी) 8, बागडोगरा आईएएफ (जिला दार्जिलिंग) 7, बीच टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 7, कुमलाई टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 7, गुड होप टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 7, पलाशबाड़ी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 7;
- **बिहार**: राजनगर (जिला मधुबनी) 17; तैयबपुर (जिला किशनगंज) 15; रघुनाथपुर (जिला सीवान) 14; झंझारपुर (जिला मधुबनी), भवानीपुर (जिला पूर्णिया) 13 प्रत्येक; ठाकुरगंज (जिला किशनगंज) 12; कोदावनपुर/सी.बी.आई. (जिला बेगुसराय), बीरपुर (जिला सुपौल), रूपौली (जिला पूर्णिया), रहघोपुर (जिला सुपौल) 10 प्रत्येक; सरैया (जिला मुजफ्फरपुर), जयनगर (जिला मधुबनी), एकंगरसराय (जिला नालंदा), सिसवन (जिला सिवान), ताजपुर (जिला समस्तीपुर), लालगंज (जिला वैशाली) 9 प्रत्येक; गोरौल/डोली (जिला वैशाली), परसा (जिला सारण), पोठिया (जिला किशनगंज), पुरैनी (जिला मधेपुरा), अंधराठाढ़ी (जिला मधुबनी), दानापुर (जिला पटना), धमदाहा (जिला पूर्णिया), भगवानपुर हाट (जिला सीवान), चेहरा कला (जिला वैशाली), बरहिया (जिला लखीसराय) 8 प्रत्येक; फुलपरास (जिला मधुबनी), काको (जिला जहानाबाद), टेढ़ागाछ (जिला किशनगंज), दिघलबैंक (जिला किशनगंज), कुरहनी (जिला मुजफ्फरपुर), फतुहा (जिला पटना), पातेपुर (जिला वैशाली), घोघरडीहा (जिला मधुबनी), पुनपुन (जिला पटना), खुसरूपुर (जिला पटना), बड़हरिया (जिला सीवान) 7 प्रत्येक;
- **उत्तराखंड**: हलद्वानी (एडब्ल्यूएस)15; सामा (जिला बागेश्वर) 8;
- **छत्तीसगढ़**: दौरा कोचली (जिला बलरामपुर) 14, रामचन्द्रपुर (जिला बलरामपुर) 13, चलगली (जिला बलरामपुर) 10, अम्बिकापुर (जिला सरगुजा) 9, सूरजपुर (जिला सूरजपुर) 7, लटोरी (जिला सूरजपुर) 7, कुसमी (जिला बलरामपुर) 7;
- **गांगेय पश्चिम बंगाल**: देबग्राम (जिला नादिया) 14, लाबपुर (जिला बीरभूम) 14, कांडी (जिला मुर्शिदाबाद) 12, नारायणपुर (जिला बीरभूम) 11, बरहामपुर (जिला मुर्शिदाबाद) 10, बैरकपुर (आईएएफ) (जिला उत्तर 24 परगना) 7, रामपुरहाट (डीआरएम) (जिला बीरभूम) 7;
- **तमिलनाडु**: पुदुकोट्टई (जिला पुदुक्कोट्टई) 14, तिरुमयम (जिला पुदुक्कोट्टई) 12, कुडिमियानमलाई (जिला पुदुक्कोट्टई), करैयुर (जिला पुदुक्कोट्टई), चिन्नाकलार (जिला कोयंबटूर) 11 प्रत्येक, अन्नावासल (जिला पुदुक्कोट्टई), थुवाकुडी आईएमटीआई (जिला तिरुचिरापल्ली), पेरुंगलूर (जिला पुदुक्कोट्टई), चेंगम (जिला तिरुवन्नामलाई) 8 प्रत्येक, वलपराई पीटीओ (जिला कोयंबटूर), उपासी टीआरएफ एडब्ल्यूएस (जिला कोयंबटूर), अरिमलम (जिला पुदुक्कोट्टई), जमुनामारथुर

(जिला तिरुवन्नामलाई), शिवगंगई पीडब्ल्यूडी टीबी (जिला शिवगंगई), किलानिलाई (जिला पुदुक्कोट्टई), सिनकोना (जिला कोयंबटूर), अरंतंगी (जिला पुदुक्कोट्टई) 7 प्रत्येक,

- **केरल**: अय्यनकुन्नु (जिला कन्नूर) 13, उदुम्बन्नूर (जिला इडुक्की) 7, चेम्बरी (जिला कन्नूर) 7;
- **पूर्वी मध्य प्रदेश**: हनुमना (जिला रीवा) 12, त्योंथर (जिला रीवा) 11, मानपुर (जिला उमरिया) 9, अमानगंज (जिला पन्ना) 8, नईगढ़ी (जिला रीवा) 8, गुढ़ (जिला रीवा) 8, सिहावल (जिला सीधी) 8, चितरंगी (जिला सिंगरौली) 8, मझगांव (जिला सतना) 7, मझौली (जिला सीधी) 7, बिलासपुर (जिला उमरिया) 7, टीकमगढ़-एडब्ल्यूएस (जिला टीकमगढ़) 7, पवई (जिला पन्ना) 7;
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: ज्ञानपुर (जिला भदोही) 12, निघासन (जिला खीरी) 12, कर्वी (जिला चित्रकूट) 11, प्रतापगढ़ (त) (जिला प्रतापगढ़) 11, घोरावल (जिला सोनभद्र) 9, चुनार (जिला मीरजापुर) 9, वाराणसी-बी.एच.यू. (जिला वाराणसी) 9, बलिया ऑब्सी (जिला बलिया) 9, मेजा (जिला प्रयागराज) 9, चोपन एफएमओ (जिला सोनभद्र) 8, करछना (जिला प्रयागराज) 8, कोरांव (जिला प्रयागराज) 8, नीमसार (जिला सीतापुर) 7, मानिकपुर (जिला चित्रकूट) 7, अमेठी (जिला अमेठी) 7, वाराणसी/बाब एयरो (जिला वाराणसी) 7;
- **हिमाचल प्रदेश**: भरारी (जिला हमीरपुर) 11, मुरारी देवी (जिला मंडी) 8, नैना देवी (जिला बिलासपुर) 7;
- **पश्चिमी उत्तर प्रदेश**: गभाना (जिला अलीगढ) 10, गोवर्धन (जिला मथुरा) 8, सासनी (जिला हाथरस) 7;
- **ओडिशा**: बांकी (जिला कटक) 10;
- **अरुणाचल प्रदेश**: तेज़ू (जिला लोहित) 10, देवमाली_ओव्स (जिला तिराप) 7, रोइंग (जिला निचली दिबांग घाटी) 7;
- **तटीय कर्नाटक**: कोटा (जिला उडुपी) 9, मनकी (जिला उत्तर कन्नड़) 8, गेर्सोप्पा (जिला उत्तर कन्नड़) 7;
- **झारखंड**: हज़ारीबाग डीवीसी (जिला हज़ारीबाग) 8, गोड्डा केवीके एडब्ल्यूएस (जिला गोड्डा) 7;
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक**: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 7;
- **गुजरात क्षेत्र**: बालासिनोर (जिला महीसागर) 7;
- **पूर्वी राजस्थान:** माउंट आबू तहसील (सिरोही) 7.

अनुलग्नक II

S.No.	Subdivision	3- Aug	4- Aug	5- Aug	6- Aug	7- Aug	8- Aug	9- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	SCT	WS	WS	WS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	FWS	SCT	FWS	WS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	WS	FWS	FWS	WS	WS	FWS
7	ODISHA	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	WS	WS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
14	PUNJAB	SCT	SCT	FWS	SCT	ISOL	SCT	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT
26	VIDARBHA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS

Table-1: 7 Days Rainfall Forecast

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

अनुलग्नक III

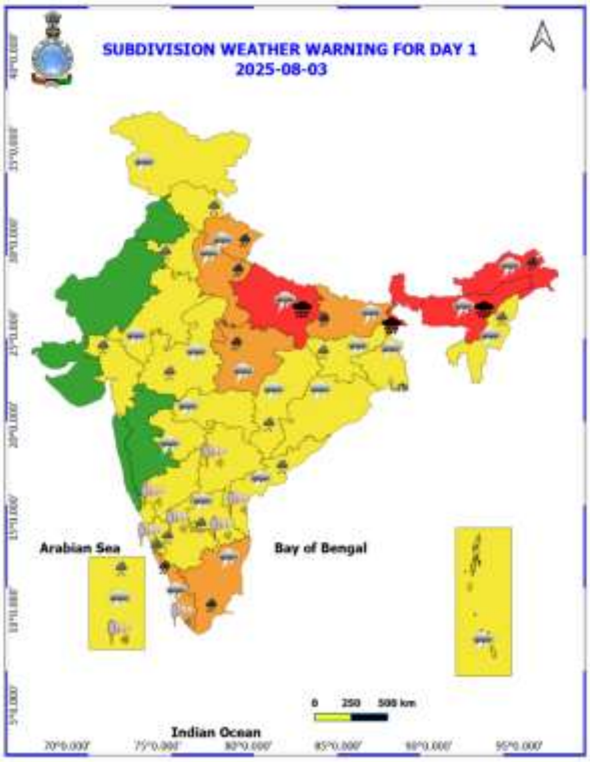
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-08-03
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

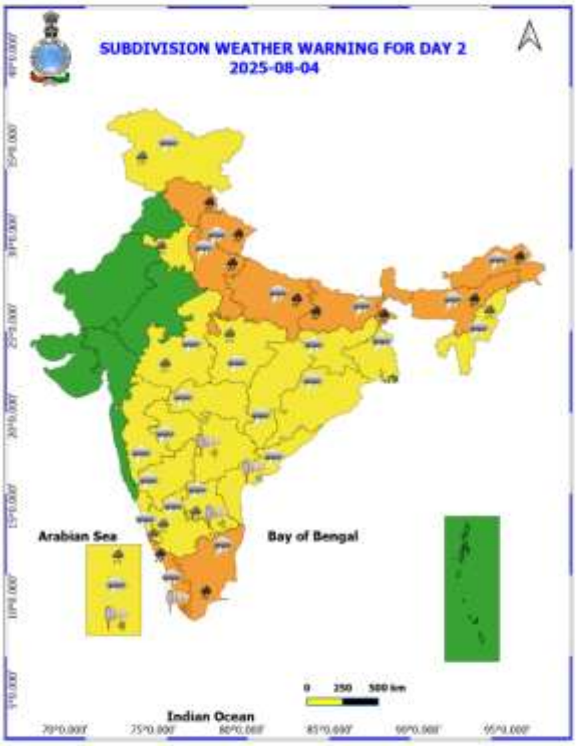
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-08-04
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

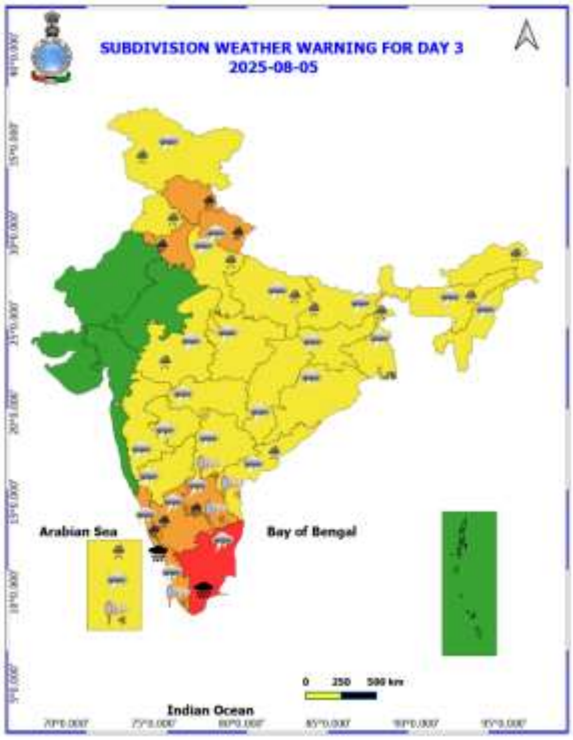
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-08-05
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

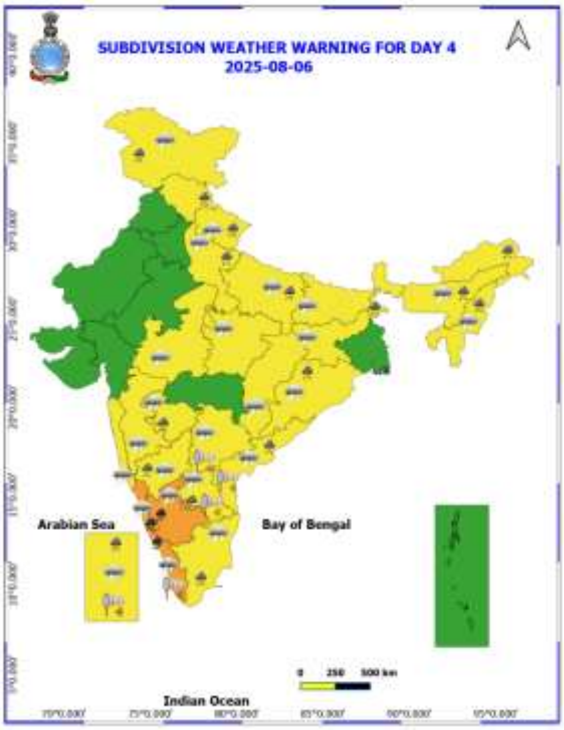	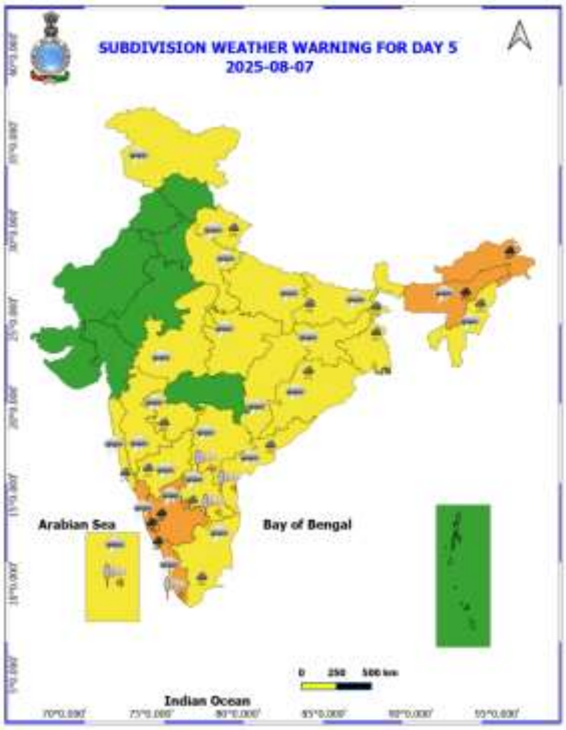
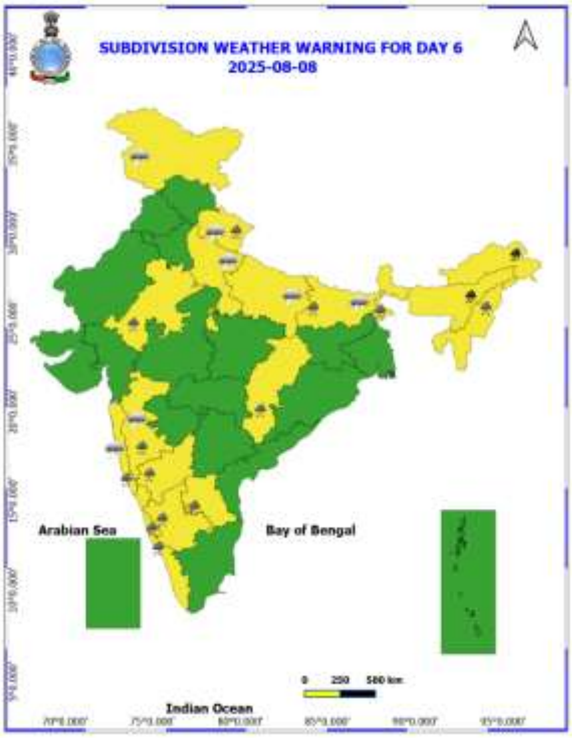	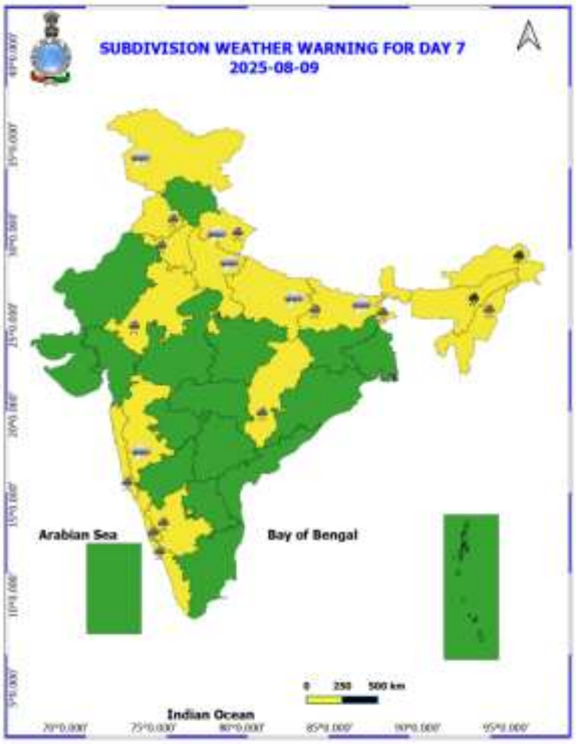

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक IV

दिल्ली/एनसीआर में 03 से 06 अगस्त 2025 के दौरान मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 1°C तक की गिरावट और अधिकतम तापमान में 1°C तक की वृद्धि दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 32 से 34°C और न्यूनतम तापमान 23 से 24°C के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3°C तक कम रहा और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहा। आकाश आमतौर पर मेघाच्छन्न रहा और सतही हवाएं मुख्यतः दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। आज पूर्वाह्न में क्षेत्र में आमतौर पर मेघाच्छन्न आकाश रहा और सतही हवाएं दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

03.08.2025: आम तौर पर मेघाच्छन्न आकाश। शाम/रात के दौरान गरज के साथ बारिश की संभावना। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 से 34°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक अधिक रहेगा। सतही हवाएं मुख्यतः दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से दोपहर में चलेंगी, जो धीरे-धीरे घटकर शाम और रात में 08-12 किमी प्रति घंटे रह जाएंगी।

04.08.2025: आम तौर पर मेघाच्छन्न आकाश। सुबह-सुबह हल्की से हल्की बारिश की संभावना। शाम/रात के दौरान कई स्थानों पर एक या दो बार हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 से 33°C और 23 से 25°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3°C तक कम रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य से 1 से 3°C तक कम रहेगा। सतही हवाएं प्रातःकाल में मुख्यतः दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी, दोपहर में बढ़कर 12-16 किमी प्रति घंटे होंगी और फिर शाम/रात्रि में घटकर पश्चिम दिशा से 08-12 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी।

05.08.2025: आम तौर पर मेघाच्छन्न आकाश। कुछ बार हल्की से मध्यम वर्षा/गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34°C और 23 से 25°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहेगा। प्रातःकाल में सतही हवाएं मुख्यतः पश्चिम दिशा से 08-12 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेंगी। दोपहर में यह गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे हो जाएगी, और फिर शाम/रात्रि में घटकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी प्रति घंटे से कम रह जाएगी।

06.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34°C और 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहेगा। प्रातःकाल में सतही हवाएं मुख्यतः उत्तर-पूर्व दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी। दोपहर में यह गति घटकर 10-15 किमी प्रति घंटे हो जाएगी, और फिर शाम/रात्रि में घटकर उत्तर-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम रह जाएगी।

हल्की से मध्यम वर्षा और गरज-चमक के साथ बारिश के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- सावधान रहें और एहतियाती कदम उठाएं, क्योंकि गरज/बिजली गिरने की संभावना है।
- खड़ी फसलों को नुकसान, पेड़ों की टहनियों के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को आंशिक से गंभीर नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक क्षति, और ढीले सामान उड़ सकते हैं।

- लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाएं। घर के अंदर रहें, खिड़की और दरवाजे बंद रखें, यात्रा से बचें यदि संभव हो, सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, कंक्रीट की ज़मीन पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न लगें, विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जल स्रोतों से तुरंत बाहर आ जाएं, और सभी विद्युत चालक वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

❖ 03 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश, मेघालय, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 05 अगस्त को केरल और तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।

❖ 03, 04 और 06-09 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 04 और 07-09 अगस्त के दौरान असम और मेघालय; 03 तारीख को पूर्वी मध्य प्रदेश; 03-05 के दौरान उत्तराखंड; 04 तारीख को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 04 और 05 को हिमाचल प्रदेश; 05 को हरियाणा, रायलसीमा; 03 और 04 को उत्तर प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु; 03-07 के दौरान केरल और माहे; 05-07 अगस्त के दौरान तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।

❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।

❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।

❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।

❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।

❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।

❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।

❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।

❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।

❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।

❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

➢ **अरुणाचल प्रदेश** में, भारी बारिश बंद होने तक सभी फसलों की नई बुवाई स्थगित कर दें। भारी बारिश के दौरान निचले इलाकों में धान की नई रोपाई न करें। बारिश के प्रतिकूल प्रभाव से बचाव हेतु धान के खेतों को सूखे पत्तों या पुआल जैसी प्राकृतिक गीली घास से ढक दें। धान, मक्का, रागी, सोयाबीन और सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। भारी बारिश के दौरान फलदार पौधों को झुकने या टूटने से बचाने के लिए उन्हें मज़बूत सहारा प्रदान करें।

➢ **असम** में, **कोकराझार** और **बोंगाईगांव जिलों** में भारी बारिश रुकने तक तिल, मूंग और अरहर की बुवाई स्थगित रखें। **मध्य ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र** में, परिपक्व जूट की तुरंत कटाई करें और कटी हुई फसल के गट्ठरों को दूषित पानी में सड़ने से बचाने हेतु ऊँची भूमि या शेड में रखें। भारी वर्षा के दौरान तिल की बुवाई न करें। जलभराव से बचाव हेतु, **निचले ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र** में साली धान, मूंग और अरहर के खेतों में; **मध्य ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र** में साली धान, हल्दी और पहले से बोए गए तिल के खेतों में; **पहाड़ी क्षेत्र** में धान और तिल के खेतों में तथा **उत्तरी तट मैदानी क्षेत्र, ऊपरी ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र** एवं **बराक घाटी क्षेत्र** में साली धान के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।

- **मेघालय** में, भारी वर्षा के दौरान धान की रोपाई न करें। धान, मक्का, हल्दी, मिर्च, भिंडी और करेले के खेतों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। केला, पपीता, लौकी आदि जैसी लंबी और नाज़ुक फसलों को गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल** में, **पहाड़ी क्षेत्र** में धान, अदरक एवं सब्ज़ियों के खेतों तथा फलों के बागानों से और **तराई क्षेत्र** में अमन धान एवं सब्ज़ियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें। **तराई क्षेत्र** में मिर्च के पौधों को भारी बारिश से बचाने हेतु उन्हें प्लास्टिक से ढक दें।
- **बिहार** में, **दक्षिण बिहार के जलोढ़ क्षेत्र** के निचले इलाकों में मक्का, सब्ज़ियों, रागी, कोदो, सावा आदि फसलों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और खेत की मेड़ों को मज़बूत करें। **उत्तर-पूर्वी जलोढ़ क्षेत्र** में मक्का के खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें तथा रागी, कोदो, सावा, चीना आदि फसलों के खेतों में वर्षा जल जमा न होने दें।
- **उत्तराखंड** में, जलभराव से बचाव हेतु, **भाबर और तराई क्षेत्र** में धान, गन्ना, मक्का, उड़द, मूंग, सोयाबीन और सब्जियों की फसलों में तथा **उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में बाजरा, रागी, मूंग और उड़द की फसलों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें। **नैनीताल जिले** में मूंग और सोयाबीन की बुवाई स्थगित करें। **पहाड़ी क्षेत्र** में, सतही जल के बहाव को रोकने हेतु मेड़ों को मज़बूत करें। अत्यधिक गीली मिट्टी की स्थिति में मटर की बुवाई स्थगित करें। फसल के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।
- **हिमाचल प्रदेश** में, **उच्च पर्वतीय उप-शीतोष्ण आर्द्र क्षेत्र** में भारी वर्षा से होने वाले नुकसान को रोकने हेतु फूलगोभी की नर्सरी को प्लास्टिक शीट से ढक दें। **मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र** में सब्जियों के खेतों में, **उप-पर्वतीय और निम्न पर्वतीय उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में धान, मक्का और सब्जियों के खेतों में तथा **उच्च पर्वतीय उप-शीतोष्ण आर्द्र क्षेत्र** में राजमा, रागी, खीरा और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाएँ रखें।
- **मध्य प्रदेश** के **बुंदेलखंड क्षेत्र** में धान और सब्जियों के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें।
- **छत्तीसगढ़** के **उत्तर पर्वतीय क्षेत्र** में अरहर, सब्जियों और प्रतिरोपित धान के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- **उत्तर प्रदेश** के **बुंदेलखंड क्षेत्र** में अरहर , मिर्च, प्याज की बुवाई और केले एवं पपीते की रोपाई स्थगित करें और खेतों से अतिरिक्त पानी की निकासी के लिए आवश्यक व्यवस्था करें। **पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में अरहर, सोयाबीन, मक्का, मूंगफली, मूंग, उड़द, बाजरा आदि के खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।
- **केरल** में, धान, नारियल, केला और अदरक के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें। केले के बागानों को सहारा दें। सब्ज़ियों के पंडालों को मज़बूत बनाएँ।
- **तमिलनाडु** में, गन्ने और केले के पौधों को गिरने से बचाने हेतु उन्हें सहारा प्रदान करें। **उत्तर-पूर्वी क्षेत्र** में धान की नर्सरी एवं **कावेरी डेल्टा क्षेत्र** में खड़ी फ़सल के खेतों में उचित जल निकासी की सुविधा प्रदान करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

04-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

असम और मेघालय - बक्सा, बोंगाईगांव, कछार, चिरांग, कार्बी एनालॉग, कोकराझार, एन.सी. हिल्स, नागांव, करीमगंज, पूर्वी खासी हिल्स, री भोई, दक्षिण गारो हिल्स, पश्चिमी खासी हिल्स और जयंतिया हिल्स जिले।

उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम - उत्तरी सिक्किम, पश्चिमी सिक्किम, दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी और कोचबिहार जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

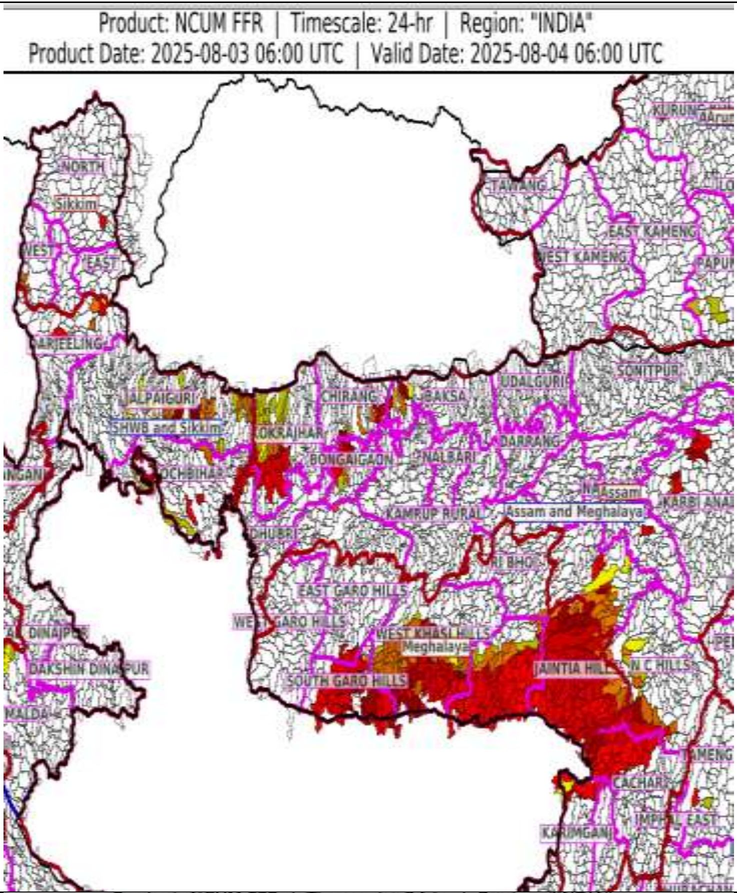

04-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

हिमाचल प्रदेश - चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिले।

उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, उधम सिंह नगर और उत्तरकाशी जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

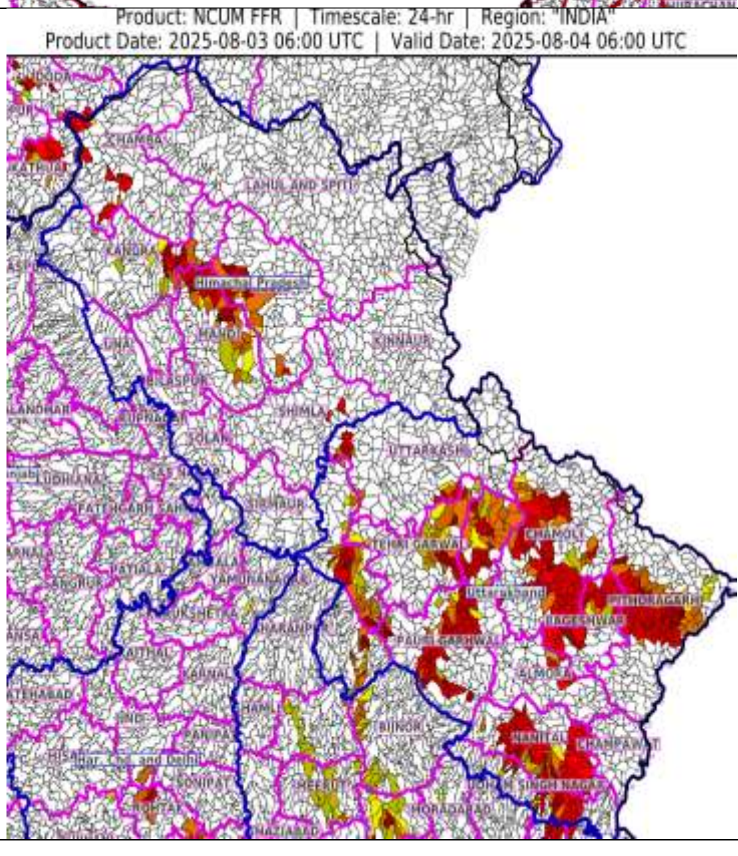

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

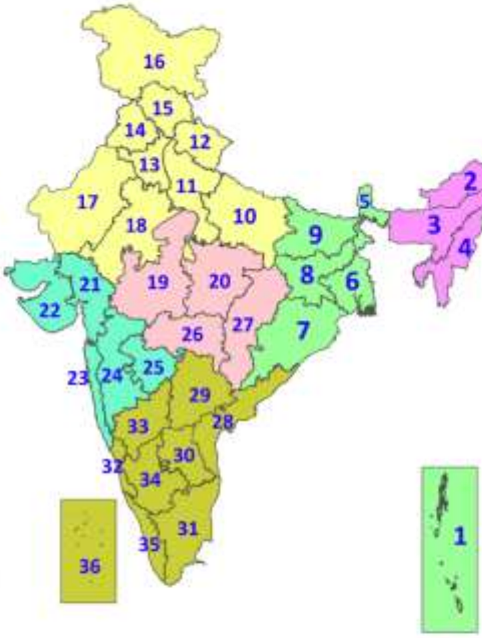

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)